



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 16, 1967 (अग्रहायण 25, 1889)

No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 16, 1967 (AGRAHAYANA 25, 1889)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## विषय सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ (Pages)		पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	883	भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	71
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	1221	भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	907
		भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	—
		भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट . . . . .	—

भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2039	भाग III—खंड 2—एकत्रित कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	537
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	4595	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	183
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	291	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	859
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	995	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	199
		पूरक सं० 48—	
		25 नवम्बर 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	2013
		4 नवम्बर 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	2023

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	883
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1221
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	71
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	907
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2039

PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	4595
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	291
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	995
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	537
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	183
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	859
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	199
SUPPLEMENT No. 48—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 25th November 1967	2013
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 4th November 1967	2023

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

**Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court**

## राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1967

सं० 113-प्रेज/67—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

## अधिकारी का नाम तथा पद

श्री द्वारका सिंह

कम्पनी कमाण्डर,

16वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा दल ।

(भूतपूर्व 7वीं बटालियन, राजस्थान सशस्त्र कान्स्टेबुलरी)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के पश्चात् युद्ध-विराम हो जाने पर, 23 सितम्बर, 1965 को राजस्थान के बाड़मेर मैक्टर में केलनूर, सोभाला, मियाजलर तथा दूसरे गांवों में शत्रु घुम आये । उन्होंने नागरिकों पर आक्रमण किया तथा उनके माल को लूटना आरम्भ कर दिया और गांव सोभाला में विशेष रूप से ऐसा किया । कम्पनी कमाण्डर द्वारका सिंह को सेना अधिकारियों द्वारा, जिसकी कमान में उसकी यूनिट कार्य कर रही थी, नागरिकों को बचाने के लिए जाने का आदेश दिया । श्री द्वारका सिंह एक पार्टी को साथ लेकर शीघ्रता से सोभाला को चल पड़ा और बिना डरे शत्रु पर, जिनके पास आदमों व हथियार अपेक्षाकृत अधिक थे, हमला कर दिया । श्री द्वारका सिंह द्वारा प्रदर्शित बहादुरी तथा पहलशक्ति ने शत्रु को पीछे हटने के लिये विवश कर दिया ।

सेना अधिकारियों ने श्री द्वारका सिंह को शत्रु की योजना के बारे में सूचना एकत्रित करने के लिए भी तैनात किया । उसने अपने जीवन पर एक बड़ा खतरा उठा कर इस कर्तव्य को पूरा किया ।

जब सेना ने केलनूर पर हमला किया तो श्री द्वारका सिंह सेना का पथप्रदर्शन करने के लिये अग्रिम दल के साथ गया । मियाजलर में वह आर्मी ब्रिगेड हेडक्वार्टर्स से सम्बद्ध था । जब एक भारतीय चौकी पर शत्रु की भारी गोलाबारी शुरू हो गई, श्री द्वारका सिंह को उस चौकी की सहायता करने का आदेश दिया गया जिसको उसने बड़ो तेजी के साथ किया और बहादुरी के साथ शत्रु की भारी गोलाबारी के बीच तबतक मोर्चे पर जमा रहा जबतक कि शत्रु अन्ततः पीछे न हट गया ।

इन सब कार्यवाहियों में श्री द्वारका सिंह ने कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय निष्ठा, पहलशक्ति तथा मृक्ष-बूझ का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है ।

सं० 114-प्रेज/67—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

## अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री कृष्ण मित्र चतुर्वेदी,

सहायक कमाण्डेंट,

16वीं बटालियन, विशेष सशस्त्र दल,

सागर ।

(स्वर्गीय)

श्री बाबूसिंह कुशवाहा,

पुलिस उप-निरीक्षक,

मदिआदोह पुलिस थाना,

दमोह जिला ।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

17 दिसम्बर 1966 को यह गुप्त सूचना मिली कि कुख्यात डाकू मूरत सिंह का गिरोह मध्य प्रदेश के चौरह्या गांव की ओर जा रहा है । सैक्टर कमाण्डर श्री कृष्ण मित्र चतुर्वेदी ने पाटम और मदिआदोह में 20 दिसम्बर 1966 को पुलिस दल तैनात कर दिये और स्वयं उसी दिन लगभग 9 बजे प्रातः उप-निरीक्षक बाबूसिंह कुशवाहा के साथ एक जीप में ड्राइवर कान्स्टेबल और विशेष सशस्त्र दल के दो जवानों को लेकर रवाना हुए । रास्ते में उन्होंने एक मुखबिर को साथ लिया और दोपहर बाद चौरह्या पहुंचे । श्री चतुर्वेदी ने मुख्य सड़क के छोर पर डेरा डाला और अपने जवानों को खाना तैयार करने के लिये गांव में भेज दिया ताकि यह प्रभाव पड़े कि यह दल वहां पर सामान्य दौरे पर है । किन्तु दोनों अधिकारी इलाके की जांच-पड़ताल के लिये मुखबिर को साथ लेकर झुपके से पास के जंगल में घुस गए । विशेष सशस्त्र दल के जवानों ने वापिस लौटने पर अधिकारियों को गायब पाया । शीघ्र ही उन्होंने बड़हार गांव की दिशा में गोली चलने की आवाज सुनी । खोज करने पर दोनों अधिकारी और मुखबिर मृत पाए गए ।

परिस्थितियों से ज्ञात हुआ कि दोनों पुलिस अधिकारियों तथा मुखबिर को डाकूओं ने घेर लिया था और उनके साथ हुई भयंकर लड़ाई में वे मारे गए । साधारण तौर पर पुलिस तैनात करने से पूर्व इन अधिकारियों द्वारा क्षेत्र का स्वयं सर्वेक्षण करना ताकि इससे किसी प्रकार का सन्देह न उत्पन्न हो, निश्चिततः खतरे की कार्रवाई थी । यह अच्छी तरह से जानते हुये कि जंगल में खतरनाक गिरोह है इन अधिकारियों ने जंगल में जाने

का साहसपूर्ण कदम उठाया और गिरोह के सफाया करने के बीरतापूर्ण प्रयास में अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

इस प्रकार सर्वश्री कृष्ण मित्र चतुर्वेदी तथा बाबू सिंह कुशवाहा ने अपनी सुरक्षा की बिलकुल भी परवाह न कर विशिष्ट वीरता, पहलशक्ति और उच्चस्तर की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत श्री बाबू सिंह कुशवाहा को विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 20 दिसम्बर, 1966 में दिया जायेगा।

दिनांक 4 दिसम्बर 1967]

सं० 115-प्रेज/67—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अजायब सिंह,

हैड कान्स्टेबल सं० 2/49,

2री बटालियन, पंजाब सशस्त्र पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

12 और 13 सितम्बर, 1966 को पाकिस्तानी घुसपैठियों के एक दल ने जो कश्मीर में घुस आया, बुमई तथा नदिहाल गांवों में डकैतियां एवं हत्याएं की।

सूचना मिलने पर कि घुसपैठिये हाजन गांव के एक मकान में हैं, 14 सितम्बर, 1966 को उस पर छापा मारने का आयोजन किया गया। आत्मसमर्पण करने के लिये कहे जाने पर, गिरोह के मुखिया सूबेदार काले खां ने अपने रिवाल्वर से पहली मंजिल की खिड़की से गोली चला दी। फलस्वरूप दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस के एक दल को जिसमें हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह तथा कान्स्टेबल मकखन सिंह शामिल थे, मकान में घुसने का आदेश हुआ किन्तु उनके ऐसा करने से पूर्व सूबेदार काले खां अपना रिवाल्वर दिखाते हुये बाहर आ गया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न कर हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह उससे जूझ गया और कान्स्टेबल मकखन सिंह की सहायता से उस पर काबू पा लिया।

बाद में यह ज्ञात हुआ कि गिरोह के शेष सदस्य कुनियाल गांव में छिपे हुये हैं। पुलिस ने उस मकान को घेर लिया जहां गिरोह के छिपे होने का सन्देह था। इन हालात में पुनः हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह ने मकान के एक कोने में खतरनाक मोर्चे को सम्भालने के लिये स्वयं को प्रस्तुत किया। पुलिस को देख कर खंजर से लैस गिरोह का एक आदमी मकान से बाहर आया। हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह ने तुरन्त उस पर गोली चलाई किन्तु निशाना चूक गया और वह दल को अन्य टुकड़ियों की गोलियों से बचता हुआ भागने लगा। अन्ततः उसे गोली लगी और वह गारा गया। इस मुठभेड़ में टुकड़ी की गोलीबारी के बीच आ जाने के खतरे को जानते हुये भी हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह ने

अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह नहीं की और मकान के बाहर गिरोह के सदस्यों का सामना करने हेतु एक खतरनाक मोर्चे को सम्भालने के लिये स्वयं को प्रस्तुत किया।

इस प्रकार इन दोनों मुठभेड़ों में, हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह ने विशिष्ट वीरता और उच्चस्तर की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 सितम्बर 1966 से दिया जायेगा।

सं० 116-प्रेज/67—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मकखन सिंह,

कान्स्टेबल सं० 2/458,

2री बटालियन, पंजाब सशस्त्र पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

12 और 13 सितम्बर, 1966 को पाकिस्तानी घुसपैठियों के एक दल ने जो कश्मीर में घुस आया, बुमई तथा नदिहाल गांवों में डकैतियां एवं हत्याएं की।

सूचना मिलने पर कि घुसपैठिये हाजन गांव के एक मकान में हैं, 14 सितम्बर, 1966 को उस पर छापा मारने का आयोजन किया गया। आत्मसमर्पण करने के लिये कहे जाने पर, गिरोह के मुखिया सूबेदार काले खां ने अपने रिवाल्वर से पहली मंजिल की खिड़की से गोली चला दी। फलस्वरूप दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। टुकड़ी के एक दल को जिसमें हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह तथा कान्स्टेबल मकखन सिंह शामिल थे, दुकान में घुसने का आदेश हुआ किन्तु उनके ऐसा करने से पूर्व सूबेदार काले खां अपना रिवाल्वर दिखाता हुआ बाहर आ गया। कान्स्टेबल मकखन सिंह ने महाग साहस का परिचय दिया और अपनी सुरक्षा की परवाह न कर सूबेदार काले खां पर शारीरिक रूप से काबू पाने के लिये हैड कान्स्टेबल अजायब सिंह की सहायता की।

इस मुठभेड़ में, कान्स्टेबल मकखन सिंह ने साहस और उच्चस्तर की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 सितम्बर 1966 से दिया जायेगा।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

**PRESIDENT'S SECRETARIAT***New Delhi, the 4th December 1967*

No. 115-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

*Name of the officer and rank.*

Shri Ajaib Singh,  
Head Constable No. 2/49,  
2nd Battalion, Punjab Armed Police.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 12th and 13th September, 1966, a party of Pakistani infiltrators which had infiltrated into Kashmir committed dacoities and murders in the villages of Bumai and Nadihal.

On receipt of information that the infiltrators were in a house in village Hajan, a raid was organised on the 14th September, 1966. On being called on to surrender, Subedar Kale Khan, the leader of the gang, opened fire from his revolver from the window of the first floor. This led to an exchange of fire. A party of the force which included Head Constable Ajaib Singh and Constable Makhan Singh was ordered to enter the house but before they could do so Subedar Kale Khan came out brandishing his revolver. Head Constable Ajaib Singh, unmindful of his personal safety, grappled with him and with the help of Constable Makhan Singh, overpowered him.

Later it was learnt that the remaining members of the gang were hiding in village Kunyal. The force encircled the house where the gang was suspected to be hiding. In these dispositions again Head Constable Ajaib Singh volunteered to take a dangerous position at a corner of the house. On seeing the police, one of the gang armed with a dagger came out of the house. Head Constable Ajaib Singh immediately fired at him but missed and the desperado started running away dodging the fire which was opened by the other groups of the force. He was ultimately shot and killed. In this encounter also Head Constable Ajaib Singh being fully aware of the dangerous cross-fire likely from the force, disregarded his personal safety and volunteered to take a dangerous position outside the house to deal with the members of the gang.

Thus in these two encounters, Head Constable Ajaib Singh displayed conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th September, 1966.

No. 116 Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

*Name of the officer and rank.*

Shri Makhan Singh,  
Constable No. 2/458,  
2nd Battalion, Punjab Armed Police

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 12th and 13th September, 1966, a party of Pakistani infiltrators which had infiltrated into Kashmir committed dacoities and murders in the villages of Bumai and Nadihal.

On receipt of information that the infiltrators were in a house in village Hajan, a raid was organised on the 14th September, 1966. On being called on to surrender, Subedar Kale Khan, the leader of the gang, opened fire from his revolver from the window of the first floor. This led to an exchange of fire. A party of the force which included Head Constable Ajaib Singh and Constable Makhan Singh was ordered to enter the house but before they could do so Subedar Kale Khan came out brandishing his revolver. Constable Makhan Singh displayed great courage, and unmindful of his personal safety helped Head Constable Ajaib Singh in physically overpowering Subedar Kale Khan.

Thus in this encounter, Constable Makhan Singh displayed courage and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th September, 1966.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

**LOK SABHA SECRETARIAT***New Delhi, the 30th November 1967*

No. 3 1/67/PAC.—Shri Syed Ahmed Aga, Member of Lok Sabha, has been declared as duly elected to serve as a member of the Committee on Public Accounts for the unexpired portion of the term ending on the 31st March, 1968 vice Shri Mohammad Yunus Saleem, Member of Lok Sabha, ceased to be a member of the Committee on his appointment as a Deputy Minister.

AVTAR SINGH RIKHY, Deputy Secy.

**PLANNING COMMISSION***New Delhi, the 6th November 1967***RESOLUTION**

No. PC/Const/NPC/1/6(1)/65.—The Planning Commission has decided to dissolve, with immediate effect, the Study Group to study economy in construction cost and financing of the construction industry which was set up *vide* their Resolution No. PC/Const/NPC/1/6(1)/65, dated October 1, 1965.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the above Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

**RESOLUTION**

SUBJECT:—*Setting up of a Working Group to prepare Standard Contract Form(s).*

No. PC/Const/NPC/1/6(1)/65.—Conditions of contract adopted by Construction Departments of the Central and State Governments and Public Sector Undertakings have significant variations. In order to streamline the existing conditions and to minimise the degree of uncertainties, preparation of Standard Contract Form(s) based on a more rational basis is considered necessary. Accordingly the Planning Commission has decided to set up a Working Group to prepare Standard Contract Form(s). The Working Group has been constituted as under :—

*Chairman*

1. Shri P. N. Gadi,  
Consultant (Construction),  
Planning Commission, New Delhi.

*Members*

2. Shri B. T. Merchant,  
Solicitor,  
Ministry of Law,  
(Deptt. of Legal Affairs),  
North Block, New Delhi.
3. Shri C. P. Malik,  
Addl. Chief Engineer, CPWD.,  
Nirman Bhavan, New Delhi.
4. Shri L. G. Selvam,  
Adviser (Construction),  
Bureau of Public Enterprises,  
Ministry of Finance,  
North Block, New Delhi.
5. Shri V. S. Devdhat,  
Chief Surveyor of Works,  
E-in-C's Branch,  
Kashmir House,  
King George's Avenue,  
New Delhi-11.
6. Shri V. K. C. Iyengar,  
Superintending Surveyor of Works,  
Dte. Genl. of Border Roads,  
Kashmir House,  
King George's Avenue,  
New Delhi 11.

7. Shri Y. G. Patel,  
Builders' Association of India,  
United India Building,  
2nd floor, West Wing,  
Sir Phirozshah Mehta Road,  
Fort, Bombay-1.
8. Shri D. Dutt,  
Managing Director,  
National Buildings Constn. Corpn. Ltd.,  
44, Ring Road, Lajpatnagar-III,  
New Delhi-14.
9. Shri U. S. Rao,  
Joint Director (C.E.),  
Railway Board,  
Rail Bhavan, New Delhi.
10. Shri G. S. Bhasin,  
Under Secretary (Works Divn.),  
Ministry of Finance,  
Nirman Bhavan, New Delhi.

The Chairman will have the authority to co-opt other members as and when necessary.

2. The terms of reference will be as under :—

To examine existing contractual conditions and to prepare Standard Contract Form(s) for use by Construction Departments of Governments and of Public Sector Undertakings with a view to

- (a) removing uncertainties and providing, *inter alia*, for regular advance payments for work done and for speedy settlement of final bills;
- (b) eliminating unnecessary blocking of contractor's capital in the form of earnest money, security deposit, retention money;
- (c) making conditions generally equitable.

3. Payment of T.A. (including D.A.) to non-officials will be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure's) Office Memorandum No. F.6(28)E.IV/59 dated 5th September 1960 as amended from time to time.

ORDER

ORDERED that a copy of the above Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

B. D. PANDE, Secy.

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 23rd November 1967

No. F.8-12/66-SW.3.—In modification of the Department of Social Welfare Resolution No. F.8-12/66-SW.3, dated the 18th September 1967, the Government of India are pleased to nominate Dr. S. M. S. Chait, Deputy Educational Adviser, Ministry of Education, as the representative of that Ministry on the Committee on Child Welfare, vice Shri Veda Prakasha.

B. S. RAMDAS, Dy. Secy.

New Delhi, the 28th November 1967

RESOLUTION

No. 13/1/67-SCT.II.—The Government of India are of the view that Members of Parliament, social workers and social scientists should be associated in the formulation of policies and programmes for the welfare of the Scheduled Tribes, and with this end, have decided to constitute a board to be called the Central Advisory Board for Tribal Welfare.

2. *Functions of the Board* : The Board will generally advise Government on all matters pertaining to the welfare of the Scheduled Tribes, and in particular—

- (a) tender advice on the formulation of special developmental programmes for the welfare of the Scheduled Tribes; and
- (b) review the implementation of the developmental programmes undertaken for these Tribes, and assess the benefits resulting therefrom, with a view to suggesting improvements or changes in the programmes to ensure a more rapid progress in the social, educational and economic conditions of the Scheduled Tribes.

3. *Composition of the Board*

(a) *Chairman* : The Minister for Social Welfare will be the Chairman of the Board.

(b) *Members* : There will be not more than 25 members of the Board nominated by the Government of India, and will include,

- (1) Members of Parliament,
- (2) Social Workers,
- (3) Social Scientists, and
- (4) Representatives of Voluntary Organisations.

4. *Tenure of the Board* : The Board will normally hold office for a period of one year. Government may extend this period.

5. *Meetings of the Board* : The Board will ordinarily meet once in six months.

6. All previous resolutions and orders on the subject are hereby cancelled.

ORDER

ORDERED that the above be published in the Gazette of India.

RESOLUTION

No. 13/1/67-SCT.II(A).—In pursuance of para 3(b) of this Department's Resolution No. 13/1/67-SCT.II, dated 28th November, 1967, the Government of India hereby nominates the following persons to be members of the Central Advisory Board for Tribal Welfare, for a period of one year :—

1. Smt. B. Radhabai Anandarao, M.P.
2. Shri Kartik Oraon, M.P.
3. Shri Kolai Birua, M.P.
4. Shri C. M. Kedaria, M.P.
5. Shri Bharat Singh, M.P.
6. Shri M. G. Uikey, M.P.
7. Shri Gavit Tukaram Hurji, M.P.
8. Shri Gurcharan Naik, M.P.
9. Shri Ramchandra Ulaka, M.P.
10. Shri Dhuleshwar Meena, M.P.
11. Shri Amiya Kumar Kisku, M.P.
12. Shri Sriyut Maharaj Manikya Kirit Bikram Kishore Debbarma Bahadur, M.P.
13. Dr. L. K. Mahapatra.
14. Dr. Surajit Sinha.
15. Dr. B. K. Roy Burman.
16. Dr. (Smt.) S. Kazi.
17. Shri R. Keishing.
18. Shri D. J. Naik.
19. Shri N. Bapat.
20. Shri J. H. Chinchalkar.
21. Swami Niramayananda.

ORDER

ORDERED that the above be published in the Gazette of India.

RESOLUTION

No. 14/1/67-SCT.II.—The Government of India are of the view that Members of Parliament, social workers and social scientists should be associated in the formulation of policies and programmes for the welfare of the Scheduled Castes, and with this end, have decided to constitute a board to be called the Central Advisory Board for Harijan Welfare.

2. *Functions of the Board* : The Board will generally advise Government on all matters pertaining to the welfare of the Scheduled Castes, and in particular—

- (a) tender advice on the formulation of special developmental programmes for the welfare of the Scheduled Castes; and
- (b) review the implementation of the developmental programmes undertaken for these Castes, and assess the benefits resulting therefrom, with a view to suggesting improvements or changes in the programmes to ensure a more rapid progress in the social, educational and economic conditions of the Scheduled Castes.

**3 Composition of the Board**

- (a) *Chairman* : The Minister for Social Welfare will be the Chairman of the Board.
- (b) *Members* : There will be not more than 25 members of the Board nominated by the Government of India, and will include,
- (1) Members of Parliament,
  - (2) Social Workers,
  - (3) Social Scientists, and
  - (4) Representatives of Voluntary Organisations.

4. *Tenure of the Board* : The Board will normally hold office for a period of one year. Government may extend this period.

5. *Meetings of the Board* : The Board will ordinarily meet once in six months.

6. All previous resolutions and orders on the subject are hereby cancelled.

**ORDER**

ORDERED that the above be published in the Gazette of India.

**RESOLUTION**

No. 14/1/67-SCT.II(A).—In pursuance of paragraph 3(b) of this Department's Resolution No. 14/1/67-SCT.II, dated the 28th November, 1967, the Central Government nominates the following persons as members of the Central Advisory Board for Harijan Welfare, for a period of one year :—

1. Shri C. Dass, M.P.
2. Shri Kedar Paswan, M.P.
3. Shri Dayaldas Kurre, M.P.
4. Shri G. Kuchelar, M.P.
5. Shri B. K. Gaikwad, M.P.
6. Shri S. M. Siddiah, M.P.
7. Shri Dharanidhar Jena, M.P.
8. Shri Kikar Singh, M.P.
9. Shri Ram Dhan, M.P.
10. Shri P. R. Thakur, M.P.
11. Dr. B. K. Roy Burman.
12. Dr. (Mrs.) C. Parvathamma.
13. Prof. M. N. Srinivas.
14. Dr. T. N. Madan.
15. Shri Basanta Kumar Das.
16. Smt. Kamla Kumari, M.P.
17. Shri L. Elayaperumal.
18. Smt. Minimata, M.P.
19. Shri Jiwanlal Jairamdas.
20. Swami Lokeshwarananda.
21. Shri Narain Din.

**ORDER**

ORDERED that the above be published in the Gazette of India

N. SUNDARAM, Joint Secy.

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS**

New Delhi-1, the 28th November 1967

No. F.32/83/67-AIS(III).—The President is pleased to accept the resignation of Shri Tarlok Singh, formerly Member, Planning Commission, from the membership of the Advisory Council of the National Academy of Administration, Mussoorie, with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India.

A. N. BATASYAL, Under Secy.

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 24th November 1967

F. No. 32(2)-NS/67.—The Premium Prize Bonds, 1963 which were issued from the 1st January to 31st December 1963 in terms of Government of India, Ministry of Finance Notification F. No. 25(41)-NS/62 dated the 1st November 1962 will fall due for repayment together with Premium after

five years from the date of sale indicated on the Bonds at the following rates in terms of the said notification :—

Denomination	Redemption value
Rs. 5/-	Rs 5.50 for every Bond of Rs 5/- denomination.
Rs 100/-	Rs 110 - for every Bond of Rs. 100/- denomination.

Accordingly, repayment of the Premium Prize Bonds, 1963 will start from the 1st January, 1968. If the due date of payment is a holiday, the payment of the redemption value will be made on the preceding working day. The following offices are authorised to receive and arrange for the repayment of the Prize Bonds namely :—

- (i) Offices of the Reserve Bank of India at Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, New Delhi, Madras, Bangalore, Nagpur and Kanpur;
- (ii) Branches of the State Bank of India and its Subsidiary Banks conducting Government treasury work;
- (iii) Head Post Offices;
- (iv) Departmental Sub-Post Offices; and
- (v) Non-banking Treasuries and Sub-Treasuries.

2. (i) The Offices of the Reserve Bank of India and branches of the State Bank of India and its Subsidiary Banks conducting Government treasury work, will accept and repay all Prize Bonds irrespective of the office of issue.

(ii) Post Offices will accept and repay all the Bonds irrespective of the office of issue.

(iii) A Non-Banking Treasury/Sub-Treasury will accept and repay only the Prize Bonds issued by it.

(iv) Sub-Treasuries Androth, Minicoy, Ameni and Kavarathy situated in Laccadive, Minicoy and Amindivi islands are authorised to repay all Bonds irrespective of the office of issue.

A. R. SHIRALI, Joint Secy.

**MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION**

(Department of Co-operation)

New Delhi, the 24th November 1967

No. 1-5/66-GOP(Suppl. List 13).—In continuation of this Department Notification No. 1-5/66-GOP(Suppl. List 12), dated the 5th October, 1967 the following Wholesale Cooperative Store is added to schedule of cooperative societies published alongwith the Notification No. 1-25/66-CC, dated 27-5-1966 regarding Guarantee Scheme for Consumer Cooperatives :—

1. The Karimnagar District Cooperative Central Stores Ltd., Karimnagar (Andhra Pradesh).

V. V. NATHEN, Deputy Secy.

New Delhi, the 30th November 1967

**RESOLUTION**

No. 7-3/66-CPD.—In further modification of the Resolution No. 7-3/66-CC, dated the 20th September, 1966, as amended in Resolution No. 7-3/66-CPD, dated the 19th October, 1967, the following addition in the composition of the Central Advisory Committee for Consumer Cooperatives has been made :—

In para 3 of the Resolution under the caption 'Members', the following shall be added as Serial No. 8 and all the subsequent serial numbers may be changed accordingly :

- 8 Shri P. R. Chakravarti,  
C/o  
Shri B. P. Chakravarti,  
Kathalpota,  
P. O. Krishnanagar,  
Distt. Nadia

**ORDER**

ORDERED that copy of the changes be communicated to all concerned.

ORDERED also that the changes be published in the Gazette of India for general information

S. S. PURI, Joint Secy.

**MINISTRY OF EDUCATION***New Delhi, the 23rd November 1967*

No. F 8-1/66-Y34—In continuation of the Ministry of Education Notification of even number dated the 18th July, 1967 regarding nominations on the Central Advisory Board of Physical Education & Recreation, Shri A. B. Chandramani, Joint Educational Adviser, Ministry of Education, is nominated Chairman of the Board vice Dr. A. M. D. Rozario, Joint Secretary, Ministry of Education.

2. Shri Jagdish Mitter, Principal, State School of Sports, Jullundur, is nominated as a member of the Board vice Shri Prithvi Singh Azad, Officer-in-charge, National Discipline Scheme Punjab State, Chandigarh.

3. In pursuance of item No. 7 of Clause 2 of this Ministry's Resolution No. F.23-34/60-PEU, dated the 19th May, 1961, as amended from time to time, Shri R. L. Anand, Under Secretary, Ministry of Education, is appointed Member-Secretary of the Central Advisory Board of Physical Education & Recreation.

4. The above nominations are made with immediate effect and up to the 27th August, 1968.

J. C. BOSE, Deputy Educational Adviser

*New Delhi, the 27th November 1967*

No. 22(29)/60-SR-II.—The Indian National Committee for International Quiet Sun Year will continue to function till the end of December 1967.

H. K. L. CHADDHA, Under Secy.

**DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS  
(P. & T. Board)***New Delhi, the 27th November 1967*

SUBJECT :—Tariffs Enquiry Committee for the P. & T. Department.

No. 1-1/67-T.E.C.—Consequent on the appointment of Shri M. R. Krishna, M.P., as Deputy Minister in the Ministry of Defence, the Government is pleased to appoint Shri Dwaipayan Sen, M.P. as a Member of the P. & T. Tariffs Enquiry Committee. This is in partial modification of Resolution No. 13-1/67-R, dated the 4th August 1967.

M. DAYAL, Chairman,  
P. & T. Board

**ORDER**

ORDERED that the Notification be published in the Gazette of India for general information.

MADAN KISHORE, Member,  
P. & T. Board, & *Ex-Officio* Jt. Secy.

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING***New Delhi-1, the 22nd November 1967*

No. 7/40/67-FI(NA).—The entries under column 4 against the Educational Film 'Paddy High Yielding Varieties' and Experimental Film 'Homosaps' appearing in Notification No. 7/40/67-FI(NA), dt. 26-9-67, have been amended to read as under :—

*Paddy High Yielding Varieties* : President's Gold Medal & a Cash Prize of Rs. 5000/- (Rupees five thousand) as Producer & Rs. 2500/- (Rupees two thousand & five hundred) as Director.

*Homosaps* : Cash Prize of Rs. 5000/- (Rupees five thousand) as Producer & Rs. 2500/- (Rupees two thousand & five hundred) as Director.

H. C. KHANNA, Deputy Secy

**MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND  
REHABILITATION****(Department of Labour & Employment)***New Delhi, the 21st November 1967***RESOLUTION**

No. 10/10/67-M.III.—In supersession of this Department's Resolution No. 10(1)/67-M.III, dated the 7th February, 1967 the Government of India have decided to set up a Central Advisory Board for Iron Ore Mines Labour Welfare Fund. The Board will consist of the following persons :—

*Chairman*

Joint Secretary in the Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Department of Labour & Employment.

**MEMBERS REPRESENTING GOVERNMENT**

1. Chairman,  
Iron Ore Mines Labour Welfare Fund,  
Advisory Committee for Andhra Pradesh and Mysore,  
19-84, Kumara Park, West Extension,  
Bangalore-20 (Mysore).
2. Chairman,  
Iron Ore Mines Labour Welfare Fund,  
Advisory Committee for Madhya Pradesh,  
and Maharashtra, Moti Bungalow,  
Mahatma Gandhi Road, Indore (M.P.).
3. Chairman,  
Iron Ore Mines Labour Welfare Fund,  
Advisory Committee, for Bihar,  
New Punaichak, Patna (Bihar).
4. Chairman,  
Iron Ore Mines Labour Welfare Fund,  
Advisory Committee for Orissa,  
Bhubaneswar. (Orissa).
5. Chairman,  
Iron Ore Mines Labour Welfare Fund,  
Advisory Committee for Goa, Daman & Diu, Rua St.  
Tome, Saldhana's Building Panaji, Goa.

**MEMBERS REPRESENTING EMPLOYEES' ORGANISATIONS**

1. Shri P. I. Mukerjee, Deputy Financial Controller,  
National Mineral Development Corporation Ltd.,  
61, Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi-14.
2. Shri R. Sinha, Adviser (Personnel & Manpower),  
Hindustan Steel Ltd., P.O. Hinoo, Ranchi (Bihar).
3. Shri Shambaji Sardesai C/o M/s. V. S. Dempo & Co,  
Pvt. Ltd., Post Box No. 34, Panjim (Goa).
4. Shri P. T. K. Panicker, Chief Personnel & Welfare,  
Manager Tata Iron and Steel Co. Ltd., Jamshedpur.
5. Shri A. S. Devasthali, Labour Adviser,  
Chowgule & Co Private Ltd., Mormugao Harbour,  
Goa.

**MEMBERS REPRESENTING WORKERS' ORGANISATIONS**

1. Shri V. G. Gopal, General Secretary,  
Tata Workers Union, 17 K. Road,  
Jamshedpur (Bihar).
  2. Shri J. R. Dash, General Secretary,  
Barbil Workers' Union,  
P.O. Barbil, Distt. Keonjhar. (Orissa).
  3. Shri Hament Deshmukh, General Secretary,  
Steel Workers' Union, 17/1, Sector No. 1,  
Bhilai (M.P.).
  4. Shri Rajkishore Samantrai, Secretary,  
Hind Mazdoor Sabha, Orissa, Oriva Bazar,  
Cuttack-1.
  5. Shri Prakash Roy,  
Secretary, JMWF,  
Samyukta Khadan Mazdoor Sangh,  
Rajnandgaon, M.P.
2. The Board may also co-opt any other person as a Member if it considers necessary. The Under Secretary in the Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation (Deptt. of Labour & Employment), shall function as Secretary to the Board.
3. The Board will be a non-statutory body and its functions will be :—
- (i) To advise on the activities of the Fund;
  - (ii) To review and coordinate the activities of the Regional Organisations of the Iron Ore Mines Labour Welfare Fund; and
  - (iii) To consider any other matter relevant to the welfare of Iron Ore Mine Workers under the Iron Ore Mines Labour Welfare Fund.
4. The life of the Board will be one year and it will meet at such place and at such interval as it may consider necessary.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. The Governments of Andhra Pradesh, Mysore, Madhya Pradesh, Maharashtra, Bihar, Orissa, and Goa, Daman & Diu, Panjim (Goa).
2. The Ministry of Steel, Mines and Metals, New Delhi
3. All Members of the Board.
4. Employers' and Workers Organisations concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information

S. T. MERANI, Jt. Secy.